



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 417]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 21, 2008/कार्तिक 30, 1930

No. 417]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 21, 2008/KARTIKA 30, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2008

सं. 110 (आर.ई.-2008)/2004—2009

फा. सं. 01/91/180/1268/ए एम 09/नीति-3.—  
विदेश व्यापार नीति, 2004-2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त  
शाक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार प्रक्रिया  
पुस्तक (खण्ड-1) (आर.ई.-2004 से आर.ई.-2008) में, एतद्वारा,  
निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. वीकेजीयूवाई के लिए आवेदन प्रपत्र-ए एन एफ 3 ग  
में, निम्नलिखित शुद्धियाँ की गई हैं :—

क. क्र.सं. 4 पर कालम शीर्षक सं. 4 को ठीक करके "प्रक्रिया  
पुस्तक खण्ड 1 के पैरा 9.12 के अनुसार निर्यातों की  
तिथि" पढ़ा जाएगा।

ख. क्र.सं. 4 पर कालम शीर्षक सं. 12 में निम्नलिखित को  
जोड़ा गया है :

"बीआरसी/एफआईआरसी के अनुसार भारतीय रुपये  
में"

ग. क्र. सं. 4 के कालम 13 और कालम 14 को हटा दिया  
गया है।

घ. कालम 16 में फार्मूलों को संशोधित कर निम्नानुसार  
पढ़ा जाएगा :—

"(16)=(12) X(15)/100"

परिणामस्वरूप आवेदक बीआरसी से भारतीय रुपये में  
प्राप्त किए गए पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य को कालम  
12 में सीधे डाल सकता है।

ड. ड्रा बैंक स्कीम शिपमेण्ट्स के लिए प्रस्तुत किए जाने  
वाले दस्तावेजों में ड्रा बैंक शिपिंग बिल की एक प्रति  
प्रस्तुत की जा सकती है।

च. अध्याय 3 के सभी ए एन एफ के लिए टिप्पणी 2 को  
निम्नानुसार ठीक किया गया है :—

"2. जहाँ शिपिंग बिल/निर्यात के बिल की मूल ई पी  
प्रति, और/अथवा बी आर सी/एफ आई आर सी विदेश  
व्यापार महानिदेशक/सीमाशुल्क आयुक्त को प्रस्तुत कर  
दी गई है तो उसकी एक प्रति, संदर्भ फाईल संख्या/दावा  
संख्या (यदि कोई हो) और संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय/  
सीमाशुल्क कार्यालय जहाँ उक्त मूल प्रतियाँ प्रस्तुत  
की गई हैं, का उल्लेख करते हुए संलग्न की जाएगी।  
जहाँ कहीं मूल की प्रतिलिपि प्रस्तुत की गई है, वहाँ  
यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इसे निर्यातक  
द्वारा स्वप्रमाणित किया गया है।"

2. पैरा 3.19.1 को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :—

"वीकेजीयूवाई से संबंधित नीति विदेश व्यापार नीति के  
अध्याय 3 में दी गई है। परिशिष्ट 37क में निर्यात की  
अनुमेय तिथि सहित वीकेजीयूवाई मदों की सूची निहित है।  
वीकेजीयूवाई के तहत ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप की स्वीकृति के  
लिए ए एन एफ 3ग में उसमें निर्धारित दस्तावेजों सहित  
संबंधित क्षेत्रीय प्राधिकारी को आवेदन किया जाएगा।

कई आवेदन प्रस्तुत किए जा सकते हैं और पूरत कटौती लागू नहीं होगी। तथापि, एक आवेदन में अधिकतम 50 शिपिंग बिल हो सकते हैं।

संबद्ध परिशिष्ट में दर्शाई गई निर्यात की तिथि को या उसके बाद किए गए निर्यातों पर ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप के लिए सूचीबद्ध उत्पाद पात्र होंगे। निर्यात की तिथि प्रक्रिया पुस्तक खण्ड 1 के पैरा 9.12 के अनुसार निर्धारित की जाएगी। इसके अलावा ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप मूल्य की गणना बी आर सी/एफ आई आर सी में यथाउल्लिखित प्राप्त पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य पर की जाएगी।”

3. पैरा 3.23.10 के बाद निम्नलिखित पैरा जोड़ा जाता है :—

“पैरा 3.23.11 :

ई डी आई पत्तनों तथा गैर-ई डी आई पत्तनों से पोत लदानों को एक आवेदन पत्र में शामिल नहीं किया जा सकता। ई डी आई समर्थित पत्तनों के लिए पंजीकरण का पत्तन आवेदक के चयन के अनुसार निर्यातों का कोई एक ई डी आई पत्तन होगा। गैर-ई डी आई पत्तन के माध्यम से निर्यात करने के मामले में, पंजीकरण का पत्तन निर्यातों का संगत गैर-ई डी आई पत्तन होगा। तदनुसार प्रत्येक गैर-ई डी आई पत्तन के लिए अलग आवेदन प्रस्तुत करना होगा।”

4. उपर्युक्त पैरा 3.23.11 को देखते हुए, पैरा 3.20.1 और पैरा 3.21.1 के दूसरे उप-पैरे को हटा दिया गया है।

उपरोक्त शुद्धियाँ 1-4-2004 के बाद किए गए निर्यातों के लिए लागू होंगी।

परिणामस्वरूप, यह स्पष्ट किया जाता है कि अध्याय 3 की स्कीमों के लिए स्वीकार्यता, प्रक्रिया पुस्तक खण्ड 1 के पैरा 9.12 के अनुसार निर्यात की तिथि के अनुरूप निर्धारित की जाएगी और बीआरसी/एफआईआरसी में यथाउल्लिखित निर्यातों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य पर ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप प्रदान किया जाएगा। इसके प्रकाश में, निर्यातक अपने दावों के मूल्य की शुद्धियों के लिए संबंधित क्षेत्रीय प्राधिकारी को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार  
एवं पदेन अपर सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

**(DIRECTORATRE GENERAL OF FOREIGN TRADE)**

**PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 21st November, 2008

**No. 110 (RE-2008)/2004—2009**

**F. No. 01/91/180/1268/AM 09/PC-3.**—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign

Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Handbook of Procedures, Vol. I, 2004—2009 (RE-2004 to RE-2008).

1. In the application form for VKGUY - ANF 3C, the following corrections are made :—

a. Column Heading No. 4 at Sr. No. 4 is corrected to read as “Date of Exports in terms of Para 9.12 of HBP Vol. I”.

b. The following is added in the Column Heading No. 12 at Sr. No. 4 :—

“in Indian Rupees as per BRC/FIRC”.

c. Column 13 and Column 14 of Sr. No. 4 are deleted.

d. The Formula in Column 16 is modified to read as under :—

“(16)=(12) × (15)/100”

Consequently applicant can feed in the FOB value realized from BRC in Indian Rupees in Column 12 directly.

e. In the ‘Documents to be submitted’, for Drawback Scheme Shipments, a copy of Drawback Shipping Bill may be submitted.

f. The Note 2 is corrected for all ANFs of Chapter 3 as under :

“2. In cases the original EP copy of Shipping Bill/ Bill of Export; and/or BRC/FIRC have been submitted to DGFT/Customs, a copy of the same be attached, quoting reference file number/claim number (if any) and concerned RA/Customs authority where the said original has been submitted. Wherever a copy of the original is submitted, it should be ensured that the same is self-attested by the exporter.”

2. Para 3.19.1 is corrected to read as under :—

“Policy pertaining to VKGUY is given in Chapter 3 of FTP. Appendix 37A contains the list of VKGUY items along with the admissible date of export. Application for grant of Duty Credit scrips under VKGUY shall be made to RA concerned in ANF 3C along with document sprescribed therein.

Multiple Applications can be filed and supplementary cut shall not be applicable.

However an application shall contain a maximum of upto 50 shipping bills.

Listed products shall be eligible for Duty Credit Scrip upon exports on or after the Date of Export indicated in the relevant Appendix. Date of Export is determined in terms of Para 9.12 of HBP Vol. 1. Moreover, the Duty Credit Scrip value shall be computed on the FOB value realized as indicated in the BRC/FIRC."

3. After Para 3.23.10, the following Para is added :—

"Para 3.23.11 :

Shipments from EDI Ports and Non-EDI Ports cannot be clubbed in one application. Port of registration for EDI enabled ports shall be any one EDI Port of exports, as per the choice of the applicant. In case of exports through non-EDI port, the port of registration shall be the relevant non-

EDI port of exports. Accordingly separate application shall be filed for each non-EDI port."

4. Second Sub-para of Para 3.20.1 and of Para 3.21.11 is deleted, in view of Para 3.23.11 above.

The above corrections apply for exports made from 1-4-2004 onwards.

Consequently, it is clarified that for Chapter 3 schemes, admissibility shall be determined as per Date of Export in terms of Para 9.12 of HBP Vol. I and the duty credit scrip is granted on FOB value of exports, as indicated in the BRC/FIRC. In view of this, the exporters may file requests to RA concerned for corrections of their claim value, if any.

This issues in Public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade &  
ex-officio Addl. Secy.